P.G. Diploma in Psychological Guidance & Counselling (PGDPG&C)

पी.जी. डिप्लोमा इन सॉइकोलॉजीकल गाइडेंस एंड कॉउसलिंग

- यह एकवर्षीय पाठ्यक्रम है जिसे अधिकतम तीन वर्ष में पूरा किया जा सकेगा।
- परामर्श/संपर्क कक्षा की समय-सारणी पुस्तक के साथ प्रदान की जाएगी एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा।

Objective

This programme has been designed to make available the professionals in the field of Guidance & Counselling with providing all technical, specific knowledge & skill in Guidance & Counseling

.

पाठ्यक्रम संरचना	क्रेडिट
• निर्देशन : व्यापक परिप्रेक्ष्य	6
• परामर्श : व्यापक परिप्रेक्ष्य	6
• परामर्श के विविध आयाम	6
• निर्देशन एवं परामर्श : मनोवैज्ञानिक आधार	6
• कार्ययोजना (प्रोजेक्ट)	6

पी.जी.डिप्लोमा इन सॉइकोलॉजिकल गाइडेंस एण्ड कॉउंसलिंग

प्रश्नपत्र – प्रथम

निर्देशनः व्यापक परिप्रेक्ष्य

इकाई–1

निर्देशन– सम्प्रत्य एवं प्रकृति

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन का अर्थ एवं परिभाषाएं, निर्देशन की आवश्यकता, निर्देशन के उद्देश्य, निर्देशन की मान्यताएं, निर्देशन की प्रकृति, निर्देशन की प्रकृति, निर्देशन के प्रकार, उच्चतर व माध्यमिक स्तर पर निर्देशन, व्यावसायिक निर्देशन, व्यक्तिगत निर्देशन, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची।

इकाई–2

निर्देशन के प्रकृति और क्षेत्र

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन का स्वरूप, निर्देशन की परिभाषाएं, निर्देशन का अर्थ एवं विस्तार, राष्ट्रीय विकास और निर्देशन, निर्देशन और शिक्षा, निर्देशन की आवश्यकता, निर्देशन का मनोवैज्ञानिक आधार, शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर निर्देशन, सरांश, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची।

इकाई–3

निर्देशन का उद्भव

उद्देश्य, प्रस्तावना, प्राचीन भारत में निर्देशन, प्राचीन यूनान में निर्देशन, आधुनिक काल में निर्देशन–इग्लैण्ड, इग्लैण्ड में निर्देशन का समान्य विकास, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस जर्मनी, भारत, सारांश, बोध प्रश्न।

इकाई–4

निर्देशन के आयामः विद्यालय एवं वृत्तिक के विशेष संदर्भ में

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन के आयाम, निर्देशन के विभिन्न आयाम, निर्देशन विद्यालय के विशेष संदर्भ में, निर्देशन वृत्तिक के विशेष संदर्भ में (करियर), सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–5

निर्देशन–एक सहाकारी कार्य (निर्देशन में शिक्षक की भूमिका)

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन– एक सहकारी कार्य, निर्देशन में शिक्षक की भूमिका, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–6

आवश्यक निर्देशन सेवाएं

उद्देश्य, प्रस्तावना, छात्र कार्मिक सेवाएं, मार्गदर्शन सेवाएं, अभिविन्यास सेवाएं,छात्र सूचना सेवा, संचयी, सूचना सेवाएं–1. शिक्षा संबंध सूचनाए 2. व्यवसाय संबंधी सूचनाएं 3. व्यक्तिगत सामाजिक सूचनाएं, परामर्श सेवाएं, नियुक्ति सेवाएं, किसी अन्य को सौपने संबंधी सेवाएं, उपचारात्मक सेवाएं, पुनः देखभाल सेवाएं (फोलो अप सेवाएं), अनुसंधान सेवाएं, मूल्यांकन सेवाएं, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–7

छात्र मूल्यांकनः प्रक्षेपण तकनीक

उद्देश्य, प्रस्तावना, प्रक्षेपण की परिभाषा, प्रक्षेपण परीक्षण का अर्थ व उपयोगिता, मनोविज्ञान परीक्षण के उपयोग, परामर्श के लिये उपयोगी परीक्षण, बुद्धि परीक्षण, व्यक्तिगत परीक्षण, अभिक्षमता परीक्षण, अभिरूचि परीक्षण, अभिरूचि परीक्षण, अभिवृत्ति परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण, सारांश, बोध प्रश्न।

इकाई–8

छात्र मूल्यांकन– अप्रक्षेपण विधियां

उद्देश्य, प्रस्तावना, परामर्श की अप्रक्षेपण विधियां, स्वः मूल्यांकन– संचयी अभिलेख, अवलोकन वृतान्त, उपाख्यान आलेख, प्रश्नावली, निर्धारण मापनी, कोटि क्रम निर्धारण मापनी, जीवन वृतांत, आत्मकथा, व्यक्ति अध्ययन प्रविधि, समाजमिति, साक्षात्कार प्रविधि, सारांश, बोध प्रश्न।

इकाई–9

सामूहिक निर्देशन

उद्देश्य, प्रस्तावना, सामूहिक निर्देशन का अर्थ एवं परिभाषाएं, समूह रचना, समूह का आकार, सामूहिक निर्देशन की आवश्यकता, सामूहिक निर्देशन के उद्देश्य, सामूहिक निर्देशन की प्रणाली, सामूहिक निर्देशन की प्रणाली, सामूहिक निर्देशन की अकारता एवं क्षेत्र, सामूहिक निर्देशन की प्रमुख विधियां, सामूहिक निर्देशन का महत्व, सामूहिक निर्देशन का महत्व, सामूहिक निर्देशन के लाभ एवं सीमाएं, सारांश, बोध प्रश्न।

इकाई–10

करियर सूचना और निर्देशन

उद्देश्य, प्रस्तावना, कैरियर सूचना का अर्थ, कैरियर निर्देशन का महत्व, कैरियर सूचना प्रणाली के प्रकार, कैरियर चयन करते समय ध्यान रखने योग्य तथ्य, कैरियर चयन में अभिभावकों व विद्यालय का दायित्व, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–11

निर्देशन सेवाओं का प्रशासन एवं संचालन

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन सेवाओं के उद्देश्य, निर्देशन सेवाओं को संगठित करने के सिद्धांत, विद्यालय में निर्देशन सेवाएं, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची।

इकाई–12

निर्देशन कार्यक्रम में मूल्यांकन

लक्ष्य एवं उद्देश्य, निर्देशन मूल्यांकन, निर्देशन में मूल्यांकन की आवश्यकता, मूल्यांकन का सम्प्रत्यय, मूल्यांकन के कार्य, मूल्यांकन के उद्देश्य, निर्देशन मूल्यांकन के प्रमुख सोपान, निर्देशन कार्यक्रम के मूल्यांकन की विभाएं, सारांश, स्वमूल्यांकन प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ सूची।

इकाई–13

निर्देशन एवं विद्यालय पाठ्यक्रम

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन का अर्थ एवं सिद्धांत, निर्देशन एवं परामर्श, निर्देशन की आवश्यकता और महत्व, निर्देशन का क्षेत्र एवं स्त्रोत, विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु विद्यालयी स्तरों पर निर्देशन, विद्यालयी पाठ्यचर्या में निर्देशन का स्थान एवं महत्व, सारांश, गतिविधियां एवं क्रियाकलाप, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–14

आत्म अनुशासन में निर्देशन की भूमिका

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन आजीवन प्रक्रिया है, आत्म– अनुशासन की दिशा में निर्देशन, प्राथमिक विद्यालय में निर्देशन, माध्यमिक स्तर पर निर्देशन, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर पर निर्देशन, सारांश, बोध प्रश्न।

इकाई–15

अधिगम को बढ़ाने में निर्देशन की भूमिका

उद्देश्य, प्रस्तावना, अधिगम (अर्थ), निर्देशन, अधिगम को बढ़ाने में निर्देशन की भूमिका, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–16

विशेष समूह के बालक के लिए निर्देशन

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन की आवश्यकता, विलक्षणता के प्रकार (वर्गीकरण), (i) संज्ञानात्मक (ii) शारीरिक (iii) सामाजिक (iv) संवेगात्मक, संज्ञानात्मक विलक्षणता के प्रकार– (i) प्रतिभाशाली बालकों के लिए निर्देशन (ii) सृजनात्मक बालक के लिए निर्देशन (iii) कम–उपलब्धि बालक के लिए निर्देशन (iv) मानसिक विमाचित बालक के लिए निर्देशन (v) धीमी गति से सीखने वाले बालकों के लिए निर्देशन।

इकाई–17

निर्देशन में नवीनतम प्रवृत्तियां

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन कार्यक्रमों में सामयिक परिवर्तन, मानव व्यवहार की परिवर्तनशील धारणांए, शैक्षिक निर्देशन के क्षेत्र में परिवर्तन, परामर्शदाता के प्रशिक्षण में परिवर्तन, निर्देशन मूल्यांकन की नवीन धारणाये, निर्देशन में प्रोद्योगिकी का विस्तार, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–18

निर्देशन में अनुसंधान

उद्देश्य, प्रस्तावना, अनुसंधान की परिभाषा, अनुसंधान की विशेषतायें, अनुसधान के सोपान, अनुसंधान की विधियां, निर्देशन की परिभाषा, निर्देशन सम्प्रत्यय, निर्देशन की आवश्यकता, निर्देशन के उद्देश्य, निर्देशन के क्षेत्र, निर्देशन और अनुसंधान, सारांश, संदर्भ ग्रंथ।

प्रश्नपत्र – द्वितीय

परामर्शः व्यापक परिप्रेक्ष्य

इकाई–1

परामर्शः अवधारणा

उद्देश्य, प्रस्तावना, परामर्श का अर्थ, परामर्श की परिभाषाएं, परामर्श की मूलभूत अवधारणाएं, परामर्श की आवश्यकता, परामर्श के प्रकार, परामर्शदाता की भूमिका, परामर्शदाता की विशेषताएं, सारांश, अभ्याश प्रश्न, संदर्भ सूची।

इकाई–2

परामर्श के प्रकार

उद्देश्य, प्रस्तावना, परामर्श के प्रकार– (i) निर्देशीय परामर्श (ii) अनिर्देशीय परामर्श (iii) समाहारक परामर्श,संग्रही परामर्श का सोपान, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची

इकाई–3

परामर्श में कौशल और चरण

उद्देश्य, प्रस्तावना, कौशल की परिभाषा, मूल परामर्श कौशल, कौशल का विकास, कौशल में सुधार, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची।

इकाई–4

तादात्मीयकरण एवं संबंध

प्रस्तावना, निर्देशन एवं परामर्शनः संबंध एवं अंतर, व्यवहार उपागम, संज्ञानात्मक उपागम, सारांश, बोध प्रश्न।

इकाई–5

समस्या निर्धारण

उद्देश्य, प्रस्तावना, समस्या के प्रकार, समस्या का मूल्यांकन– (i) इतिहास साक्षात्कार, (ii) समस्या निर्धारित साक्षात्कार, (iii) मूल्यांकन से प्राप्त सूचनाओं का उपयोग, समस्या निर्धारण के लाभ, समस्या निर्धारण व हस्तकक्षेप, मूल्यांकन से संबंधित योग्यताए– (i) स्पष्टीकरण प्रश्न (ii) खुले प्रश्न (iii) बंद प्रश्न, परामर्शग्राही पर मूल्यांकन का प्रभाव, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–6

परामर्शन के लक्ष्यों का विकास

उद्देश्य, प्रस्तावना, परामर्शन के लक्ष्य के विकास के आधार– (i) परामर्शी की आयु (ii) परामर्शी का व्यवसाय (iii) परामर्शन का प्रकार या परामर्शी की समस्या का स्वरूप (iv) परामर्शी का व्यवहार, परामर्शन के लक्ष्य के विकास में आनेवाली कठिनाई, परामर्शन के लक्ष्य, सारांश, अभ्यास प्रश्नों के उत्तर, शब्दावली, संदर्भ ग्रंथ, बोध प्रश्न।

इकाई–7

परामर्शी प्रविधियां (व्यूहरचना) का चयन तथा हस्तक्षेप

उद्देश्य, प्रस्तावना, परामर्श की प्रविधियां, परामर्शी हस्तक्षेप, हस्तक्षेपी व्यूह रचना, सारांश, स्व मूल्यांकन प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–8

समाप्ति और अनुवर्ती सेवाएं

उद्देश्य, प्रस्तावना, अनुवर्ती सेवा के उद्देश्य, अनुवर्ती अध्ययन के प्रकार, अनुवर्ती कार्य, अनुवर्ती किर्याओं की रीतियां, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची।

इकाई–9

सामूहिक परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, सामूहिक परामर्श का अर्थ, सामूहिक परामर्श का महत्व, सामूहिक परामर्श के आधार, सामूहिक परामर्श के प्रतिमान, सामूहिक परामर्श के सोपान, सामूहिक परामर्श सत्र की तैयारी तथा आवश्यकताएं, समूह में चर्चा योग कुछ विषय, सामूहिक परामर्श की प्रविधियां, सामूहिक परामर्श के लाभ, सामूहिक परामर्श में अपेक्षित सावधानियां, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–10

मनोविश्लेषण सिद्धांत

उद्देश्य, प्रस्तावना, मन के स्तर– चेतन, अर्द्धचेतन, अचेतन, व्यक्तित्व का निर्माण– (i) प्रवाह (ii) अहं (iii) पराहं, विकासात्मक अवस्थाएं, (i) मुखावस्था (ii) गुदावस्था (iii) लिंग प्रधानावस्था (iv) अव्यक्तावस्था (v) जननेन्द्रियावस्था, अहं रक्षात्मक प्रक्रम– (i) दमन (ii) यौगिकीकरण (iii) प्रतिक्रिया निर्माण (iv) प्रक्षेपण (v) विस्तारण (vi) उदातीकरण (vii) नकारना (viii) क्षति पूर्ति (ix) दिवास्वप्न (x) रूपानतरण (xi) शमन, मनोविश्लेषण सिद्धांत की अनुप्रयोग विधियां– (i) मुक्त साह्चर्य (ii) स्वप्न विश्लेषण (iii) अंतरण का विश्लेषण (iv) अवरोध का विश्लेषण (v) स्पष्टीकरण, मनोविश्लेषण के लक्ष्य, परामर्शदाता का कार्य, मनोविश्लेषण सिद्धांत की विशेषताएं, मनोविश्लेषण सिद्धांत की सीमाएं, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–11

मूल्यांकन एवं अनुसंधान

उद्देश्य, परामर्शन का स्वरूप एवं क्षेत्र विस्तार, परिभाषाएं, विविध परामर्शन उपागम एवं परामर्शन प्रक्रिया के प्रतिरूप, मूल्यांकन के लक्ष्य और आयाम, गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए माप, कोर सिस्टम के संक्षिप्त तत्व और मापन लक्ष्य, मूल्यांकन प्रदत्त के उपयोग, अनुसंधान या शीघ्र सेवाएं– (i) अनुसंधान का अर्थ (ii) अनुसंधान की परिभाषा (iii) अनुसंधान के उद्देश्य (iv) अनुसंधान सेवा की विशेषताएं (v) अनुसंधान कार्य के प्रकार (vi) अनुसंधान सेवा का महत्व (vii) अनुसंधान प्रक्रिया के चरण (viii) व्यक्तिगत– आधार सामग्री संकलन सेवा, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–12

निर्देशन एवं परामर्श में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग एवं मूल्यांकन

उद्देश्य, प्रस्तावना, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अर्थ, परिभाषा, उपयोग एवं मूल्यांकन, निर्देशन की तकनीके तथा उपकरण, अमानकीकृत तकनीके– (i) प्रश्नावली (ii) प्रेक्षण (iii) समाजमिति (iv) आत्मकथा (v) निर्धारण मापनी (vi) व्यक्ति अध्ययन (vii) संचयीवृत्त, साक्षात्कार, मानकीकृत तकनीके– (i) अभिक्षमता परीक्षण (ii) अभिरूचि परीक्षण (iii) बृद्धि परीक्षण (iv) सृजनात्मकता परीक्षण (v) व्यक्तित्व परीक्षण (vi) उपलब्धि परीक्षण, निर्देशन एवं परामर्शन में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग, सारांश, शब्दावली, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई—13

संज्ञानात्मक हस्तक्षेप

उद्देश्य, प्रस्तावना, परामर्शन हस्तक्षेप यसं प्रत्य, संज्ञानात्मक हस्तक्षेप, परामर्शन की एक विधा, परामर्शन हेतु संज्ञानात्मक हस्तक्षेप तकनीक में निहित मुख्य संज्ञानात्मक प्रक्रियाओ की विशेषताएं, संज्ञानात्मक हस्तक्षेप दार्शनिक व मनोवैज्ञानिक आधार, संज्ञानात्मक हस्तक्षेप उपागम के मूलभूत अभिग्रह, संज्ञानात्मक हस्तक्षेप उपागम के लक्ष्य, परामर्शन हेतु संज्ञानात्मक हस्तक्षेप की विविध तकनीक, संज्ञानात्मक उपागम में परिवर्तन अर्जित करने की प्रविधियां तथा परामर्शदाता की आवश्यक विशेषताएं, सारांश, शब्दावली, अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथ सूची, निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई—14

निर्देशन एवं परामर्श में भावात्मक मध्यस्थता

उद्देश्य, प्रस्तावना, भाव का अर्थ, संवेग एवं भाव, मध्यस्थता का अर्थ, निर्देशन एवं परामर्श के लिए भावों एवं संवेगों को समझने की आवश्यकता, संवेग में निहित प्रक्रियाएं, निर्देशन एवं परामर्श हेतु संवेगात्मक बुद्धि का प्रशिक्षण, संवेगात्मक व्यवहार को समझने हेतु आधुनिक तकनीक, संवेगों के प्रशिक्षण में परिपक्वता एवं अधिगम या सामाजिक सांस्कृतिक कारकों की भूमिका, सारांश, स्वमूल्यांकन प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ सूची।

इकाई—15

परामर्श की व्यवहारवादी उपागम पर आधारित तकनीकें

उद्देश्य, प्रस्तावना, व्यवहारवादी दृष्टिकोण एवं उसकी मान्यताएं, परामर्श की व्यवहारवादी तकनीके, परामर्श की क्लासिकल कंडीशनिंग के आधिगम सिद्धांत पर आधारित पुस्तके– (i) क्लासिकल कंडीशनिंग का प्रयोग (ii) व्यवस्थित विसंवेदीकरण, परामर्श की ऑपरेंट कंडीशनिंग के आधिगम सिद्धांत पर आधारित पुस्तके (i) पुनर्बलन (ii) शेपिंग, परामर्श की सामाजिक अधिगम पर आधारित पुस्तके, विशेष आवश्यकता वाले बालकों के परामर्श की व्यवहारवादी विधियां, इकाई साराशं, महत्वपूर्ण शब्द एवं पद, संदर्भ ग्रंथ, अभ्यास प्रश्न।

इकाई—16

परामर्शन एवं निर्देशन का अस्तित्वावादी एवं मानवतावादी दृष्टिकोण

उद्देश्य, प्रस्तावना, अस्तित्वाद सयंप्रत्यय, अस्तित्वावादी चिकित्सा, अस्तित्ववादी चिकित्सा विधि लोगों थेरेपी, मानवतावाद संप्रत्यय, मानवतावादी चिकित्सा, मानवतावादी चिकित्सा गेस्टालट, क्लायंट केद्रित चिकित्सा, सारांश, शब्दावली, अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथ सूची, निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–17

परामर्श में मुद्दे एवं समस्याएं

उद्देश्य, प्रस्तावना, परामर्श के मुद्दे, व्यावसायिक नियम संहिताएं, हमारी बंटी हुए निष्ठाएं, नैतिक उलझन का क्षेत्र, वर्तमान चलन, कम्प्युटर अनुप्रयोग, परामर्शदाता की कमियों का सामना करना, नैतिक निर्णय लेना, परामर्श कानूनी मुद्दे, परामर्श में समस्याएं, परामर्श सेवाओं की स्थिति मे सुधार के उपाय, सारांश, संदर्भ ग्रंथ सूची, निबंधात्मक प्रश्न।

प्रश्न पत्र–तृतीय
परामर्श के विविध आयाम

इकाई–1
विद्यालय में परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, प्राथमिक विद्यालय में परामर्श, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में परामर्श,परामर्श में कक्षा अध्यापक की भूमिका, कक्षा में परामर्श, परामर्श और पाठ्यक्रम, परामर्श और पाठ्य सहगामी क्रियाएं, विद्यालय में परामर्श कार्यक्रम की योजना, परामर्श में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग, सारांश, बोध प्रश्न

इकाई–2
जीवनवृत्ति परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, कैरियर की परिभाषाएं, कैरियर सूचना, जीवन वृत्ति परामर्श के उद्देश्य, कैरियर/रोजगार सूचना की आवश्यकता और महत्व, कैरियर सूचना के स्त्रोत, कैरियर साहित्य, समाचार पत्र और पत्रिका के लेख, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची।

इकाई–3
विशेष आवश्यकताओं वाले बालकों के लिए परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, निर्देशन एवं परामर्श, निर्देशन की परिभाषा तथा अर्थ, परामर्श, निर्देशन एवं परामर्श के विषय क्षेत्र, परामर्श का महत्व, निर्देशन एवं परामर्श की तकनीक, परामर्श के उपागम, सारांश, बोध प्रश्न, गतिविधियां, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–4
माता–पिता और परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, माता–पिता का अर्थ, माता–पिता का कार्य, माता–पिता की समस्याएं, माता–पिता के परामर्श की आवश्यकता और महत्व, माता–पिता के परामर्श की प्रक्रिया, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–5

परिवार और परामर्श

उद्देश्य तथा लक्ष्य, प्रस्तावना, परिवार का अर्थ, परिवार की परिभाषा, परिवार का उद्विकास, परिवार का स्वरूप, परिवार की विशेषताएं, परिवार के कार्य, परिवार का विघटन, परिवार की समस्याएं, परिवारिक परामर्श का अर्थ, परिवार के परामर्श की आवश्यकता और महत्व, परिवार एवं परामर्श प्रक्रिया, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–6

संकट हस्तक्षेप में परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, संकट का अर्थ और परिभाषाएं, संकट की विशेषताएं, संकट हस्तक्षेप कौन उपलब्ध कराता है, संकट के प्रकार– (i) निजी ट्रोमा (ii) सामाजिक ट्रोमा, संकट में प्रतिक्रियाएं, संकट हस्तक्षेप के लिए दिशा–निर्देश, संकट अवस्था– 1. तीक्ष्ण 2. बाहरी समायोजन 3. एकीकरण, संकट मूल्यांकन मॉडलस व हस्तक्षेप– 1. गिलीलैंड का छः सोपान 2. हाइएज मूल्यांकन तंत्र 3. सोपान मॉडल, अभ्यास प्रश्न, सारांश, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–7

पुर्नवास परामर्श

उद्देश्य, पुनर्वास परामर्श, प्रस्तावना, शारीरिक चुनौतीयुक्त व्यक्तियों का परामर्श, मानसिक मंदतायुक्त व्यक्तियों का निर्देशन एवं परामर्श, प्रतिभाशाली एवं सृजनशील व्यक्तियों का निर्देशन एवं परामर्श, सारांश,बोध प्रश्न।

इकाई–8

मादक द्रव्य दुरूपयोग एवं परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, मादक द्रव्य दुरूपयोगः संकल्पना एवं परिभाषा प्रकार– (i) मादक द्रव्य दुरूपयोगः परिभाषा एवं परिचय (ii) मादक द्रव्यों के दुरूपयोग का संक्षिप्त इतिहास (iii) मादक द्रव्यों के प्रकार (iv) मादक द्रव्यों के दुरूप्योग का राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय परिदृश्य, मादक द्रव्यों के दुरूपयोग के कारण, उनका प्रभाव–(i) मादक द्रव्यों के प्रयोग के कारण (ii) विभिन्न मादक द्रव्यों का व्यक्ति के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव (iii) मादक द्रव्य के दुरूपयोग का परिवार और समाज पर प्रभाव, मादक द्रव्यों के दुरूपयोग एवं परामर्श– (i) मादक द्रव्य दुरूपयोग व्यक्ति के लिए परामर्श की आवश्यकता (ii) संक्षिप्त हस्तक्षेप (iii) संकटकालीन परामर्श (iv) परामर्शदाता के गुण एवं नैतिक व्यवहार (v) मादक द्रव्य दुरूपयोग की आदत से ग्रस्त व्यक्ति को परामर्श देने में सावधानियां, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–9

मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ– (i) मानसिक स्वास्थ्य के तत्व (ii) मानसिक रूप से स्वस्थ्य व्यक्ति की विशेषताएं (iii) मानसिक स्वास्थ्य का महत्व (iv) मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक (v) मानसिक स्वास्थ्य को उन्नत बनाने के उपाय, मानसिक स्वास्थ्य संबध समस्याएं एवं परामर्श– (i) मानसिक तनाव (ii) चिंता विकृति (iii) दुभ्रीति (iv) भीषिका विकृति, सारांश, बोध प्रश्न

इकाई–10

खेल परामर्श

उद्देश्य, प्रस्तावना, खेल परामर्श के उद्देश्य, पेशेवर परामर्श का अर्थ एवं उपयोगिता, खेल परामर्श/ मनोविज्ञान के लाभ, सारांश, अभ्यास प्रश्न/स्वमूल्यांकन, संदर्भ सूची।

इकाई–11

परामर्श के आधुनिक क्षेत्र

उद्देश्य, प्रस्तावना, जरावस्था परामर्श, एड्स परामर्श, स्वास्थ्य परामर्श, वैवाहिक परामर्श, पारिवारिक परामर्श, नशामुक्ति परामर्श, व्यावसायिक परामर्श, परामर्श में स्त्रीजातीय सिद्धांत, कम्प्युंटर का परामर्श में उपयोग, बहुसांसकृतिक परामर्श, कर्मचारी सहायता कार्यक्रम, परामर्श सिद्धांतों का एकीकरण, समलैंगिक परामर्श, विद्यालय परामर्श, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–12

किशोरावस्था में परामर्श

उद्देश्य, किशोरावस्थाः अर्थ एवं महत्व, संघर्ष तनाव का काल, व्युत्पत्ति, किशोरो के अध्ययन की आवश्यकता, किशोर–मनोविज्ञान के अध्ययन की आवश्यकता, निर्देशन एवं परामर्श हेतु किशोरावस्था के अध्ययन की विधियां, किशोरावस्था की बाधाओं को दूर करने हेु सामानय निर्देश एवं परामर्श, किशोरावस्था में निर्देशन एवं परामर्श।

इकाई–13

वैवाहिक परामर्श

उद्‌देश्य, प्रस्तावना, विवाह का अर्थ, वैवाहिक समयोजन की समस्या के कारण, वैवाहिक जीवन संबंधी समस्याओं के कुछ अन्य कारण, वैवाहिक समस्याओं पर शोध के आधार पर प्रमुख कारणों की सूची, वैवाहिक परामर्शके उद्‌देश्य, विवाहित पुरूषों और महिलाओं की परामर्श विधि, वैवाहिक जीवन में परामर्श की भूमिका, अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथ सूची, निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–14

औद्योगिक परामर्श

प्रस्तावना, उद्‌देश्य, औद्योगिक परामर्शः संप्रत्यय, कार्य– क्षेत्र में तनाव प्रबंधन, कार्य–क्षेत्र में तनाव प्रबंधन में परामर्शक की भूमिका, कार्यस्थल परामर्शन की अवश्यकता, कर्मचारी प्रशिक्षण के चरण, औद्योगिक परामर्श के लक्ष्य, औद्योगिक परामर्श के प्रयोजन, औद्योगिक परामर्शदाता की आवश्यक विशेषताएं, सारांश, शब्दावली, अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथ सूची, निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–15

महाविद्यालय परामर्श

प्रस्तावना, उद्‌देश्य, महाविद्यालय परामर्श का अर्थ और महाविद्यालयों में परामर्श कार्यक्रम, महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की विशेषताएं, महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की परामर्शक की भूमिका और आवश्यकताएं, महाविद्यालयों में निर्देशन कार्यक्रम के लक्ष्य एवं उद्‌देश्य, महाविद्यालय परामर्शक की विशेषताएं, सारांश, अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथ सूची, निबंधात्मक प्रश्न।

प्रश्न पत्र - चतुर्थ
निर्देशन एवं परामर्श : मनोवैज्ञानिक आधार

इकाई -1- बुद्धि एवं विकास

उद्देश्य, बुद्धि एवं विकास, बुद्धि और विकास की अवस्थाएँ, बुद्धि और विकास के विभिन्न आयाम, बुद्धि और विकास के सिद्धांत, बुद्धि एवं विकास कार्य में निर्देशन एवं परामर्शदाता की भूमिका, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची

इकाई -2- व्यक्तित्व

उद्देश्य, प्रस्तावना, व्यक्तित्व का अर्थ एवं महत्व, व्यक्तित्व का निर्माण एवं विकास, व्यक्तित्व के अध्ययन के उपागम, व्यक्तित्व के निर्माण में शिक्षक की भूमिका, सारांश, बोध प्रश्न

इकाई -3- अधिगम

उद्देश्य एवं लक्ष्य, अधिगम का अर्थ, प्रत्यय व स्वरूप, अधिगम की विशेषताएँ, अधिगम की प्रक्रिया, अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक, अधिगम के प्रकार, निर्देशन में अधिगम की उपयोगिता, सारांश, स्वमूल्यांकन, संदर्भ ग्रंथ

इकाई -4- अभियोग्यता

उद्देश्य, प्रस्तावना, अभियोग्यता का अर्थ, अभियोग्यता की परिभाषाएँ, अभियोग्यता की विशेषताएँ, अभियोग्यता व अन्य समान प्रत्यय, अभियोग्यता की प्रकृति, अभियोग्यता के घटक, अभियोग्यता का मापन, अभियोग्यता परीक्षण का अर्थ, अभियोग्यता परीक्षण के प्रकार, अभियोग्यता परीक्षणों का संक्षिप्त परीक्षण, अभियोग्यता के लाभ, अभियोग्यता की कमियां या दोष, निर्देशन एवं परामर्श के क्षेत्र में अभियोग्यता परीक्षण का महत्व, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ

इकाई -5- अभिप्रेरणा

उद्देश्य, प्रस्तावना, प्रेरणा का अर्थ, अभिप्रेरणा की परिभाषाएँ, अभिप्रेरणा के मूल संप्रत्य, अभिप्रेरणा के प्रकार, प्रेरको का वर्गीकरण, अभिप्रेरणा के गुण, अभिप्रेरित करने की विधियाँ, अभिप्रेरणा के सिद्धांत, अभिप्रेरणा की विशेषताएँ, सीखने की प्रक्रिया में अभिप्रेरणा की भूमिका, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची

इकाई -6- समायोजन

उद्देश्य, प्रस्तावना, समायोजन की विशेषताएँ, समायोजन के लक्षण, समायोजन व्यक्ति की विशेषताएँ, समायोजन के सोपान, समायोजन की मात्रा, समायोजन के प्रकार, समायोजन की प्रक्रिया, कुसमायोजन, कुसमायोजन के कारण, समायोजन कैसे हो ?, प्रत्यक्ष संयोजन, रक्षा युक्ति युक्त, समायोजन प्रतिमान, समायोजन और निर्देशन, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ

इकाई -7- तनाव प्रबंधन

उद्देश्य, प्रस्तावना, तनाव का अर्थ, 21वीं सदी का तनाव, सामूहिक तनाव के कारण, तनाव प्रबंधन, परामर्श का अर्थ, परामर्श की विशेषताएँ, परामर्श प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धांत, परामर्श के प्रकार, परामर्श प्रक्रिया के पद, परामर्श की तनाव प्रबंधन की भूमिका, सारांश, संदर्भ ग्रंथ

इकाई -8- विशिष्ट बालक

उद्देश्य, विशिष्ट बालक का अर्थ एवं परिभाषा, विशिष्ट बालकों की परिभाषाएँ, विशिष्ट बालकों के लिये शिक्षा, निर्देशन एवं परामर्श की व्यवस्था, विशिष्ट बालकों का वर्गीकरण, समस्याएँ एवं निराकरण, प्रतिभाशाली बालकों की समस्याएँ, प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा हेतु निर्देशन एवं परामर्श, मंदबुद्धि बालक, पिछड़ा बालक, पिछड़े बालकों के लिये शिक्षा संबंधी निर्देशन, नियोग्य बालक, विकलांग/नियोग्यता के प्रकार, विशेष शिक्षा एवं नियोग्य/विकलांग, नियोग्य/विकलांग शिक्षा में अध्यापक व परामर्शदाता की भूमिका, समस्यात्मक बालक, समस्यात्मक बालक के प्रकार, समस्यात्मक बालकों की शिक्षा, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची

इकाई -9- सृजनात्मकता

उद्देश्य, प्रस्तावना, परिभाषाएँ, विशेषताएँ, सृजनात्मक चिन्तन के महत्व, धारा प्रवाहिता, (ii) लचीलापन, (iii) मौलिकता, (iv) प्रबोधन, सृजनात्मक चिन्तन के गुण, सृजनात्मक बालकों की पहचान की आवश्यकता, सृजनात्मक बालकों की पहचान, (i) शैक्षिक योग्यता वालों बालकों की पहचान, (ii) बालक प्रतिभा सम्पन्न बालकों की पहचान, (iii) यात्रिंक व वैज्ञानिक क्षमता युक्त बालकों की पहचान, सृजनात्मक बालकों की विशेषताएँ, सृजनात्मक बालकों का शिक्षण, (i)शिक्षक की भूमिका, (ii) विद्यालय की भूमिका,सृजनात्मक को प्रोत्साहित करने की तकनीक, (i) मस्तिष्क उद्वेलन विधि, (ii)समस्या समाधान विधि (iii) सामूहिक चर्चा, (iv) सिनेरिक्स, (v) भूमिका अदा करना, (vi) लक्षणों को सूचीबद्ध करना, सृजनात्मक का मापन, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ

इकाई -10- रूचि, आदत और व्यवहार

उद्देश्य, निदेशन एवं परामर्श के मूल तत्व, परामर्श की प्रक्रिया, परामर्श के उद्देश्य, रूचि की परिभाषा, अभियोग्यता की प्रकृति, अभिरूचि के विकास में परामर्श का योगदान, आदत और परामर्श, बोध प्रश्न

इकाई -11- मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार

उद्देश्य, मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान का सम्प्रत्यय, मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकता, मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य, मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान की आवश्यकता, मानसिक स्वास्थ्य-विज्ञान का अर्थ, मानसिक स्वास्थ्य-विज्ञान के सिद्धांत, मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषताएँ, मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति में समायोजन की प्रक्रिया, समायोजन के तनाव को कम करने के ढ़ग, मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान और स्वास्थ्य, परामर्शदाता के उत्तरदायित्व, बोध प्रश्न, संदर्भ सूची

इकाई -12- निर्देशन एवं परामर्श में सांख्यिकी

उद्देश्य, प्रस्तावना, सांख्यिकी का अर्थ, वर्णनात्मक सांख्यिकी, केन्द्रीय प्रवृत्ति का अर्थ एवं परिभाषा, केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप के उद्देश्य व कार्य, सांख्यिकीय माध्य के विविध प्रकार, समान्तर माध्य, सरल समान्तर माध्य ज्ञात करने की विधि, मध्यका, मध्यका क गणना, बहुलक, बहुलक की गणना, समान्तर माध्यका तथा बहुलक के बीच समध्य, विचरणशीलता अथवा अपतिकरण का अर्थ, अपतिकरण के उद्देश्य एवं महत्व, अपतिकरण के विभिन्न माप, विस्तार, चतुर्थक विचलन या अर्द्ध अन्तर रचतुर्थक विस्ता-, प्रमाप विचलन, सहसंबंध का अर्थ व परिभाषाएँ, सहसंबंध व कारण कार्य संबंध, सहसंबंध का महत्व, सहसंबंध के प्रकार, सरल सहसंबंध ज्ञात करने की विधियाँ, कार्ल पियर्सन सहसंबंध गुणांक

इकाई -13- वैयक्तिक भेद

उद्देश्य, प्रस्तावना, वैयक्तिक भेद का अर्थ व परिभाषाएँ, वैयक्तिक भेदों के कारण, वैयक्तिक भेद के आधार, वैयक्तिक भेद के प्रकार, वैयक्तिक भेदों के मापन, वैयक्तिक भेद और निर्देशन व परामर्श, वैयक्तिक भेद और परामर्श, वैयक्तिक भेद और मार्गदर्शन, सारांश

इकाई -14- मनोचिकित्सा और संशोधन व्यवहार

उद्देश्य, भारत में परामर्शन की आवश्यकताओं और उपलब्ध सेवाओं का स्वरूप, भारतीय संदर्भ में परामर्श के आधुनिक उपागम, परामर्शन एवं मनोपचार की भारतीय प्रविधियाँ, परामर्श प्रक्रिया में हस्तक्षेप नीतियाँ, व्यवहार, अभ्यास प्रश्न

इकाई -15- मनोवैज्ञानिक परीक्षण के विशेषताएँ और प्रयोग

उद्देश्य, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के अनुप्रयोग, मनोवैज्ञानिक परीक्षण का मुख्य वर्गीकरण, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की उपयोगिता, निर्देशन एवं परामर्श में मनोवैज्ञानिक परीक्षण का उपयोग, मनोवैज्ञानिक परीक्षण की सीमाये, मनोवैज्ञानिक परीक्षण के उपयोग में सावधानियाँ, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ

इकाई -16- बुद्धि

उद्देश्य, प्रस्तावना, परिभाषाएँ, बुद्धि के सिद्धांत, बुद्धि परीक्षण के प्रकार, बुद्धि लब्धि (IQ)बुद्धि का वर्गीकरण, बुद्धि के प्रकार, सांवेगिक बुद्धि, संवेगात्तमक बुद्धि की आवश्यकता, बहुबुद्धि, सारांश, बोध प्रश्न, संदर्भ ग्रंथ

प्रश्न पत्र–पंचम

परियोजना–कार्य (Project- Work)

क्रेडिट –06

परामर्श एवं निर्देशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रोजेक्ट के रूप में आपको कम से कम दो व्यक्तियों का निर्देशन/परामर्श करना होगा उसका संपूर्ण केस स्टडी (लगभग 2500 शब्दों में प्रत्येक का संक्षिप्त रिपोर्ट) प्रस्तुत करना होगा। यह प्रोजेक्ट 6 श्रेयांकों का है। निर्देशन एवं परामर्श के क्षेत्र दो भागों में बांटे गए हैं: पहला भाग अनिवार्य है, दूसरे भाग से आप दो में से कोई एक चुनेंगे। दोनों खण्डों का विस्तृत विवरण निम्नांकित है:

भाग–1 अनिवार्य

विशेष आवश्यकता वाले बालकों का शैक्षिक परामर्श

भाग–2

भाग दो से कोई एक क्षेत्र चुनें

1. शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श
2. व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श

- प्रोजेक्ट पूरा करके आप अपने सम्बंधित मनोविज्ञान विभाग (वि. वि. मुख्यालय) अथवा क्षेत्रीय केंद्र पर संपर्क कक्षा हेतु दी गई सूचना में उलेखित तिथि के अनुसार अवश्य जमा कर दे।
- प्रोजेक्ट जमा न करने की स्थिति में आपका प्रायोगिक कार्य अपूर्ण माना जायेगा तथा आपको पुनः परियोजना कार्य जमा कर मौखिक परिक्षा में सम्मिलित होना होगा।
- प्रोजेक्ट हेतु आप जिस विद्यालय/परामर्श केंद्र से बच्चो का चयन करेंगे वहां के प्रधानाचार्य/निर्देशक से आपको इस आशय का प्रमाण पत्र लेना होगा कि आपने उनके विद्यालय केंद्र में अपना प्रायोगिक कार्य पूर्ण किया है।
- प्रोजेक्ट में आपकी सहायता के लिए निर्धारित रिपोर्टिंग दिया गया है आपसे आग्रह है कि आप उसी निर्धारित फॉर्मेट में अपना रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट के प्रथम पृष्ठ पर आप अपना नाम, अपना नामांकन कमांक अपना क्षेत्रीय केंद्र एवं अपने अध्ययन केंद्र का नाम लिखे।
- प्रोजेक्ट के दूसरे पृष्ठ पर आप इस आशय का प्रमाण पत्र लगायें कि आपने यह कार्य किस अवधि में और किस स्कूल/परामर्श केंद्र पर किया है। यह प्रमाण पत्र उस विद्यालय/केंद्र के प्रधानाचार्य/निर्देशक से प्रति हस्ताक्षरित होना चाहिए।
- आप निर्धारित प्रपत्र में आप अपना रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जहाँ कहीं आवश्यक हो आप अतिरिक्त पृष्ठ जोंड़े।

- अपना रिपोर्ट अंग्रेजी के टाइम्स न्यू रोमन, फॉण्ट का आकार 12, सिंगल स्पेस में A–4 कागज पर टाइप्ड या प्रिंटेड फॉर्म में प्रस्तुत करें या हिन्दी के कृतिदेव–11 आकार 14, सिगंल स्पेस में A–4 कागज पर टाइप्ड या प्रिंटेड फॉर्म में प्रस्तुत करें ।

****

निर्देशन एवं परामर्श में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा

(Post Graduate Diploma in Psychological and Counselling)

Case Study

- प्रशिक्षु का नाम
- प्रशिक्षु का रोल नं.
- सत्र

भाग **A**

परामर्शी का जनांकिकीय विवरण

(Demographic Details of Counselee)

- परामर्शी का नाम
- आयु
- लिंग
- शिक्षा
- वैवाहिक स्थिति
- ग्रामीण/ शहरी
- परिवारिक संरचना (एकल या संयुक्त)
- परामर्शी के भाई बहनो का विवरण
- व्यवसाय
- परामर्शी के पिता का नाम
- परामर्शी की माता का नाम
- परामर्शी की माता की शिक्षा
- परामर्शी की वार्षिक पारिवारिक आय

Part –B

Problem Details and Counselling Provided

(समस्या का विवरण और उसका समाधान) हेतु परामर्श

परामर्शी की समस्या का विवरणः

1. समस्या का संक्षिप्त विवरण (लगभग 200 शब्दो में) (परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखे समस्या क्या है)
2. समस्या का संक्षिप्त इतिहास (परामर्शी के अनुसार लगभग 200 शब्दों में लिखे कि समस्या के कारण क्या है)
3. समस्या के कारण (लगभग 200 शब्दों मे, परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखे कि समस्या के कारण क्या है)
4. समस्या के कारण व्यक्ति के जीवन पर दुष्प्रभाव (लगभग 200 शब्दो में, परामर्शी के बताये अनुसार संक्षेप में लिखे इस वजह से उसके जीवन पर क्या दुष्प्रभाव पड रहे है)
5. उपरोक्त विवरण एवं अन्य सूचनाओं के आलोक में परामर्शदाता का आंकलन एवं टिप्पणी (लगभग 150 शब्दों में लिखे कि परामर्शी द्वारा दी गयी जानकारी समस्या, समस्या का इतिहास, समस्या के कारण एवं दुष्प्रभावो के बारे मे आपका क्या मत है अगर आपने किसी प्रकार का परीक्षण टूल प्रयोग किया है तो उसका विवरण एवं परिणाम बताइए)

6. समस्या का संभावित समाधानः अपने अनुभवो, परामर्शी के विस्तृत विवरण एवं उसके साथ चर्चा के आधार पर बताइए कि समस्या के संभावित समाधान क्या हो सकते है और प्रत्येक समाधानर के लाभ और उसकी सीमाये क्या है)

क	सभांवित समाधान	लाभ	सीमाये	प्राथमिकता

7. समस्या का अनुकूलतम समाधान जो परामर्शदाता/प्रशिक्षु ने सुझाया है (लगभग 300 शब्दो में स्पस्ट कीजिये आपने क्या समाधान सुझाया और क्यो)

परामर्शी के हस्ताक्षर

परामर्शदाता के हस्ताक्षर

विद्यालय परामर्श केन्द्र के अधिकारी का हस्ताक्षर/

परामर्शी के माता पिता के हस्ताक्षर
(यदि परामर्शी नाबालिग है)

(सील के साथ)

8. परामर्शी की प्रगति की समीक्षाः

****